भारतीयदर्शनम्/ भारतीयदर्शन

(347)

शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्रम्/ शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्र

पूर्णांका:/ पूर्णांक - 20

निर्देशा : (i) सर्वे प्रश्ना: अनिवार्या:। प्रश्नानुसारम् अङ्का: समक्षे निर्देशिता:।

(ii) उत्तरपुस्तिकाया: प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमांकसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2

(क) सांख्यदर्शनस्य मते कति तत्त्वानि सन्ति ? नामानि लिखत। (द्रष्टव्यम्-1)

(ख) पुरुषबहुत्वं प्रतिपादयत।
(द्रष्टव्यम् -2)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) सांख्य दर्शन के मत में कितने तत्व हैं? नाम लिखिए। (देखें पाठ-1)

(ख) पुरुषबहुत्व का प्रतिपादन कीजिए। (देखें पाठ-2)

2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2

(क) पुरुषार्थविषये लघुटिप्पणीं लिखत? (द्रष्टव्यम् -5)

(ख) अनादिचैतन्यं कथं प्रमा? स्पष्टीकुरुत। (द्रष्टव्यम् -6

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) पुरुषार्थ के विषय में लघुटिप्पणी लिखिए? (देखें पाठ-5)

(ख) अनादि चैतन्य कैसे प्रमा है? स्पष्ट कीजिए। (देखें पाठ-6)

3. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत- 2**

(क) ब्रह्मण: स्वरूपलक्षणविषये लघुटिप्पणीं लिखत । (द्रष्टव्यम् -11)

(ख) मायायाः स्वरूपविषये लघुटिप्पणीं लिखत। (द्रष्टव्यम् -12)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-

(क) ब्रह्म के स्वरूप लक्षण के विषय में लघुटिप्पणी लिखिए। (देखें पाठ-11)

(ख) माया के स्वरूप पर लघुटिप्पणी लिखिए। (देखें पाठ-12)

4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4

(क) मनस: अनिन्द्रीयत्वं साधयत। (द्रष्टव्यम् -19)

(ख) क: अध्यारोप: अपवादश्च क: इति संक्षेपेण विवृणुत। (द्रष्टव्यम् -20)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) मन का अनिन्द्रीयत्व सिद्ध कीजिए। (देखें पाठ-19)

(ख) अध्यारोप और अपवाद क्या है यह संक्षेप में लिखिए। (देखें पाठ-20)

5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत- 4

(क) अनुबन्धचतुष्टयं विवृणुत। (द्रष्टव्यम् -21)

(ख) मानवान्त:करणस्य त्रीन् दोषान् ग्रन्थानुसारेण व्याख्यायताम्। (द्रष्टव्यम् -21)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-

(क) अनुबन्ध चतुष्टय का विवरण लिखिए। (देखें पाठ-21)

(ख) मानवों के अंत:करण के तीन दोषों को ग्रंथानुसार व्याख्यायित कीजिए। (देखें पाठ-21)

6. अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं 500 शब्देषु लिखत लिखत। 6

(क) शरीरस्थ जीवात्मन: तिस्र: अवस्था: विषये विस्तरेण व्याख्यायताम्। (द्रष्टव्यम् -17)

(ख) पञ्चकोशस्वरूपं विस्तरेण वर्णयत। (द्रष्टव्यम् -18)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण 500 शब्दों में लिखिए-

(क) शरीर में स्थित आत्मा की तीन अवस्थाओं के बारे में विस्तार से बताएं। (देखें पाठ-17)

(ख) पंचकोश के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिये। (देखें पाठ-18)